Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Two-Day National webinar on Building back Better: Toward a disability inclusive, accessible and sustainable post COVID-19 World

Newspaper: Amar Ujala **Date: 03-12-2021**

दिव्यांगों के उत्थान के लिए मिलकर करें प्रयास : कुलपति

अंतरराष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस पर हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में दो दिवसीय वेबिनार का शुभारंभ

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। अंतरराष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस के अवसर पर हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में आजादी का अमृत महोत्सव अभियान के तहत दिव्यांगजन प्रकोष्ठ की ओर से दो दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार का शुभारंभ किया गया।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने दिव्यांगजनों के समक्ष कोरोना काल से पहले व उसके बाद उपस्थित चुनौतियों का उल्लेख करते हुए समाधान की दिशा में मिलकर प्रयास करने पर बल दिया।

उन्होंने कहा कि सकारात्मक सोच के साथ दिव्यांगजनों के उत्थान के लिए प्रयास करने होंगे। इस दिशा में सरकार के स्तर पर भी विभिन्न प्रयास जारी हैं और हम इन प्रयासों को गति प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर सकते हैं।

विशेषज्ञ वक्ता के रूप में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, हरियाणा के आयुक्त दिनेश शास्त्री, हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. विशाल सूद, महात्मा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के सहायक आचार्य डॉ. प्रमोद जोशी उपस्थित रहे।

दिव्यांगजन प्रकोष्ठ की संयोजक विश्वविद्यालय की कुलसचिव प्रो. सारिका

वेबिनार में कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व अन्य।

शर्मा ने कहा कि यह विषय कोरोना काल के बाद बदली परिस्थितियों के अनुरूप आवश्यक प्रयासों हेतु महत्वपूर्ण है और आपसी विमर्श से इस दिशा में जारी प्रयासों को बल मिलेगा।

विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि हमें ज्ञात होना चाहिए कि हमारी क्षमताएं क्या हैं और इनके माध्यम से किस तरह से हम समाज व विश्व के विकास में योगदान दे सकते हैं। उन्होंने कहा कि दिव्यांगता के अनेक प्रकार हैं और इस श्रेणी के अंतर्गत आने वाले लोगों के समक्ष अलग-अलग प्रकार की चुनौतियां रहती हैं, जिनका समाधान हम सभी को मिलकर करना होगा।

विशेषज्ञ वक्ता दिनेश शास्त्री ने कहा कि अधिकारों का ज्ञान और उनका क्रियान्वयन दिव्यांगजनों की बेहतरी के लिए आवश्यक है। उन्होंने दिव्यांगजनों का आह्वान करते हुए कहा कि वे अपने गुणों को पहचानें और अपनी क्षमताओं के आधार पर विकास के पथ पर अग्रसर हों। जीवन में निराशा का त्याग कर संघर्ष के लिए तत्पर रहें।

इसी क्रम में प्रो. विशाल सूद ने संस्थागत स्तर पर दिव्यांगजनों की बेहतरी के लिए आवश्यक सुधारों पर विस्तार से प्रकाश डाला। डॉ. प्रमोद जोशी ने कोरोना काल के बाद बदली परिस्थितियों और उसके परिणामस्वरूप उत्पन्न हुई चुनौतियों पर चर्चा करते हुए दिव्यांगजनों के रोजगार और उनके जीवन को सुचारु रूप से चलाने हेतु आवश्यक प्रयासों पर चर्चा की। कार्यक्रम के अंत में विश्वविद्यालय की शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

विश्वविद्यालय की प्रगति का आईना है न्यूजलेटर

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने वीरवार को त्रैमासिक (जुलाई-सितंबर-2021) न्यूजलेटर का विमोचन किया।

कुलपति ने कहा कि न्यूजलेटर विश्वविद्यालय से जुड़ी विभिन्न गतिविधियों और इसकी प्रगति का आईना है। उन्होंने इसे तैयार करने वाले संपादकीय मंडल को बधाई दी और कहा कि अवश्य ही इसके माध्यम से संवाद की एक परंपरा स्थापित होगी।

प्रो. टंकेश्वर ने कहा कि इस प्रयास से ऑनलाइन, ऑफलाइन माध्यम से विश्वविद्यालय की विभिन्न गतिविधियों की जानकारी पाठकों तक पहुंचेगी।

कुलसचिव प्रो. सारिका शर्मा, परीक्षा नियंत्रक डॉ. विपुल यादव ने भी संपादकीय टीम को शुभकामनाएं दीं और उनके प्रयासों की सराहना करते हुए इसे एक उपयोगी दस्तावेज बताया। संपादकीय टीम में बतौर मुख्य संपादक प्रो. टंकेश्वर

हकेंविवि के न्यूजलेटर का विमोचन करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार, साथ में कुलसचिव व संपादकीय मंडल के सदस्य। संवाद

के साथ सदस्य के रूप में अंग्रेजी एवं विदेशी भाषा विभाग के सहायक आचार्य डॉ. मनोज कुमार, पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग की सहायक आचार्य डॉ. भारती बतरा एवं प्रिंटिंग व पैकेजिंग टेक्नोलॉजी विभाग के सहायक आचार्य डॉ. अनिल कुंडु शामिल हैं।

संपादकीय टीम ने बताया कि जुलाई से सितंबर के इस त्रैमासिक संस्करण में विश्वविद्यालय में संपन्न विभिन्न गतिविधियों का संकलन किया गया है। इस अंक में आजादी का अमृत महोत्सव, स्वच्छता पखवाड़ा विश्वविद्यालय द्वारा अन्य शैक्षणिक संस्थानों के साथ संपन्न समझौता ज्ञापन, शोध एवं प्रकाशन व शोध प्रमोशन बोर्ड के सुझाव आदि गतिविधियों को समाहित किया गया है।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Bhaskar **Date: 03-12-2021**

राष्ट्रीय वेबिनार • हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग जन दिवस के अवसर पर स्थितियों पर मंथन

अधिकारों का ज्ञान और उनका क्रियान्वयन दिव्यांग जनों की बेहतरी के लिए आवश्यक : दिनेश शास्त्री

- दिव्यांगजनों के उत्थान के लिए मिलकर करें प्रयास- प्रो. टंकेश्वर कुमार
- कोरोना काल के बाद बदली परिस्थितियों व उसके परिणामस्वरूप उत्पन्न चुनौतियों पर चर्चा

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग जन दिवस के अवसर पर हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में आजादी का अमृत महोत्सव अभियान के अंतर्गत दिव्यांग जन प्रकोष्ठ के द्वारा दो दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया जा रहा है। वेबिनार के शुभारंभ के अवसर पर उपस्थित विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने दिव्यांग जनों के समक्ष कोरोना काल से पहले व उसके बाद उपस्थित चुनौतियों का उल्लेख करते हुए समाधान की दिशा में मिलकर प्रयास करने पर जोर दिया।

उन्होंने कहा कि दिव्यांग जनों के प्रति सकारात्मक सोच के साथ उनके उत्थान हेतु तकनीकी विकास के स्तर पर प्रयास करने होंगे। उन्होंने कहा कि इस दिशा में सरकार के स्तर पर भी विभिन्न कोशिशें जारी हैं और हम इन कोशिशों को गति प्रदान करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा कर सकते हैं। इस अवसर पर विशेषज्ञ वक्ता के रूप में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, हरियाणा के आयुक्त दिनेश शास्त्री, हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. विशाल सूद व महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के सहायक आचार्य डॉ. प्रमोद जोशी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की शुरूआत विश्वविद्यालय के कुलगीत से हुई। इसके पश्चात दिव्यांग जन प्रकोष्ठ की संयोजक, विश्वविद्यालय की कुलसचिव, आजादी का अमृत महोत्सव अभियान की नोडल ऑफिसर प्रो. सारिका शर्मा ने विषय का परिचय प्रस्तुत किया और स्वागत भाषण के माध्यम से इस आयोजन में शामिल विश्वविद्यालय कुलपति, विशेषज्ञों के विषय में प्रतिभागियों को जानकारी दी। प्रो. सारिका शर्मा ने कहा कि यह विषय कोरोना काल के बाद बदली परिस्थितियों के अनुरूप आवश्यक प्रयासों हेतु महत्त्वपूर्ण है और आपसी विमर्श से इस दिशा में जारी प्रयासों को बल मिलेगा। विशेषज्ञ वक्ता दिनेश शास्त्री ने इस आयोजन को महत्त्वपूर्ण बताते हुए कहा कि अधिकारों का ज्ञान और उनका क्रियान्वयन दिव्यांग जनों की बेहतरी के लिए आवश्यक है। उन्होंने दिव्यांग जनों का आह्वान करते हुए कहा कि वे अपने गुणों को पहचाने और अपनी क्षमताओं के आधार पर विकास के पथ पर अग्रसर हों। जीवन में निराशा का त्याग कर संघर्ष के लिए तत्पर रहें। इसी क्रम में प्रो. विशाल सूद ने संस्थागत स्तर पर दिव्यांग जनों की बेहतरी हेतु आवश्यक सुधारों पर विस्तार से प्रकाश डाला और इस दिशा में जारी विभिन्न उल्लेखनीय कोशिशों से भी प्रतिभागियों को अवगत कराया।

डॉ. प्रमोद जोशी ने कोरोना काल के बाद बदली परिस्थितियों और उसके परिणामस्वरूप उत्पन्न हुई चुनौतियों पर चर्चा करते हुए दिव्यांग जनों के रोजगार और उनके जीवन को सुचारू रूप से चलाने हेतु आवश्यक प्रयासों पर चर्चा की। कार्यक्रम के अंत में विश्वविद्यालय की शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। आयोजन में विभिन्न पीठों के अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, शिक्षक, अधिकारी व शिक्षणेतर कर्मचारी उपस्थित रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran **Date: 03-12-2021**

दिव्यांगजनों के उत्थान के लिए करें प्रयास : प्रो . टंकेश्वर

संस, महेंद्रगढ़ : अंतरराष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस के अवसर पर हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में आजादी का अमृत महोत्सव अभियान के अंतर्गत दिव्यांगजन प्रकोष्ठ के द्वारा दो दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया जा रहा है। वेबिनार के शुभारंभ के अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने दिव्यांगजनों के समक्ष कोरोना काल से पहले व बाद उपस्थित चुनौतियों का उल्लेख करते हुए समाधान की दिशा में मिलकर प्रयास करने पर जोर दिया।

उन्होंने कहा कि दिव्यांगजनों के प्रति सकारात्मक सोच के साथ उनके उत्थान हेतु तकनीकी विकास के स्तर पर प्रयास करने होंगे। उन्होंने कहा कि इस दिशा में सरकार के स्तर पर भी विभिन्न कोशिशें जारी हैं और हम इन कोशिशों को गति प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर सकते हैं। इस अवसर पर विशेषज्ञ वक्ता के रूप में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, हरियाणा के आयुक्त दिनेश शास्त्री, हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. विशाल सूद व महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के सहायक आचार्य डॉ. प्रमोद जोशी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की शुरुआत विश्वविद्यालय के कुलगीत से हुई। इसके पश्चात दिव्यांगजन प्रकोष्ठ की संयोजक, विश्वविद्यालय की कुलसचिव, आजादी का अमृत महोत्सव अभियान की नोडल ऑफिसर प्रो. सारिका शर्मा ने विषय का परिचय प्रस्तुत किया और स्वागत भाषण के माध्यम से इस आयोजन में शामिल विश्वविद्यालय कुलपति, विशेषज्ञों के विषय में प्रतिभागियों को जानकारी दी। प्रो. सारिका शर्मा ने कहा कि यह विषय कोरोना काल के बाद बदली परिस्थितियों के अनुरूप आवश्यक प्रयासों के लिए महत्वपूर्ण है और आपसी विमर्श से इस दिशा में जारी प्रयासों को बल मिलेगा।

विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि हमें ज्ञात होना चाहिए कि हमारी क्षमताएं क्या हैं और इनके माध्यम से किस तरह से हम समाज व विश्व के विकास में योगदान दे सकते हैं। उन्होंने कहा कि दिव्यांगता के अनेक प्रकार हैं और इस श्रेणी के अंतर्गत आने वाले लोगों के समक्ष अलग-अलग प्रकार की चुनौतियां रहती हैं, जिनका समाधान हम सभी को मिलकर करना होगा।

विशेषज्ञ वक्ता दिनेश शास्त्री ने इस आयोजन को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि अधिकारों का ज्ञान और उनका क्रियान्वयन दिव्यांगजनों की बेहतरी के लिए आवश्यक है। उन्होंने दिव्यांगजनों का आह्वान करते हुए कहा कि वे अपने गुणों को पहचाने और क्षमताओं के आधार पर विकास के पथ पर अग्रसर हों। निराशा का त्याग कर संघर्ष के लिए तत्पर रहें।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Haribhoomi **Date: 03-12-2021**

महेंद्रगढ़। हकेंवि में अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस के अवसर पर दो दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

दिव्यांगजनों के उत्थान को मिलकर करें प्रयास

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

■ हकेंवि में दिव्यांगजन दिवस पर दो दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार

अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस के अवसर पर हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में आजादी का अमृत महोत्सव अभियान के अंतर्गत दिव्यांगजन प्रकोष्ठ ने दो दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया जा रहा है। वेबिनार के शुभारंभ के अवसर पर उपस्थित विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने दिव्यांगजनों के समक्ष कोरोना काल से पहले व उकसे बाद उपस्थित चुनौतियों का उल्लेख करते हुए समाधान की दिशा में मिलकर प्रयास करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि दिव्यांगजनों के प्रति सकारात्मक सोच के साथ उनके उत्थान हेतु तकनीकी विकास के स्तर पर प्रयास करने होंगे। इस अवसर पर विशेषज्ञ वक्ता के रूप में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, हरियाणा के आयुक्त दिनेश शास्त्री, हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. विशाल सूद व महात्मा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के सहायक आचार्य डॉ. प्रमोद जोशी उपस्थित रहे। दिव्यांगजन प्रकोष्ठ की संयोजक विश्वविद्यालय की कुलसचिव, आजादी का अमृत महोत्सव अभियान की नोडल ऑफिसर प्रो. सारिका शर्मा ने विषय का परिचय प्रस्तुत किया और स्वागत भाषण के माध्यम से इस आयोजन में शामिल विश्वविद्यालय कुलपति, विशेषज्ञों के विषय में प्रतिभागियों को जानकारी दी। प्रो. सारिका शर्मा ने कहा कि यह विषय कोरोना काल के बाद बदली परिस्थितियों के अनुरूप आवश्यक प्रयासों हेतु महत्वपूर्ण है और आपसी विमर्श से इस दिशा में जारी प्रयासों को बल मिलेगा। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि अवश्य ही इस आयोजन के माध्यम से इस दिशा में जारी प्रयासों को बल मिलेगा।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Punjab Kesari **Date: 03-12-2021**

दिव्यांगजनों के उत्थान के लिए मिलकर करें प्रयास: प्रो. टंकेश्वर

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के आयुक्त दिनेश शास्त्री ने किया सम्बोधित

महेंद्रगढ़, 2 दिसम्बर (परमजीत, स.ह.): अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस के अवसर पर हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में आजादी का अमृत महोत्सव अभियान के अंतर्गत दिव्यांगजन प्रकोष्ठ द्वारा 2 दिवसीय राष्ट्रीय वैबिनार का आयोजन किया जा रहा है। वैबिनार के शुभारंभ पर उपस्थित विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने दिव्यांगजनों के समक्ष कोरोना काल से पहले व उसके बाद उपस्थित चुनौतियों का उल्लेख करते हुए समाधान की दिशा में मिलकर प्रयास करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि दिव्यांगजनों के प्रति सकारात्मक सोच के साथ उनके उत्थान हेतु तकनीकी विकास के स्तर पर प्रयास करने होंगे। इस दिशा में सरकार के स्तर पर भी विभिन्न कोशिशें जारी हैं और हम इन कोशिशों को गति प्रदान

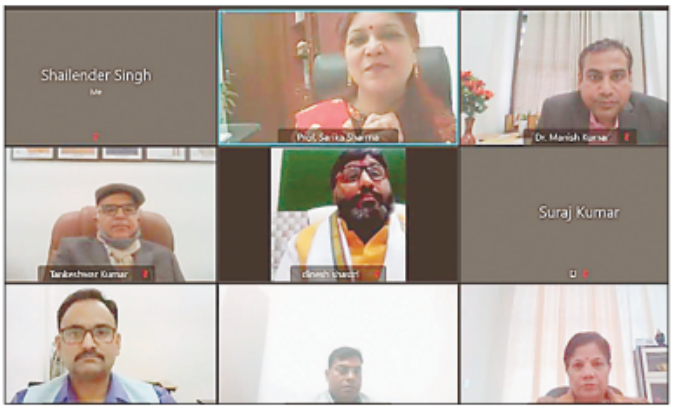

वैबिनार के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

करने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर सकते हैं। इस अवसर पर विशेषज्ञ वक्ता के रूप में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, हरियाणा के आयुक्त दिनेश शास्त्री, हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. विशाल सूद व महात्मा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के सहायक आचार्य डॉ. प्रमोद जोशी उपस्थित रहे।

प्रो. सारिका शर्मा ने कहा कि यह विषय कोरोना काल के बाद बदली परिस्थितियों के अनुरूप आवश्यक प्रयासों हेतु महत्वपूर्ण है और आपसी विमर्श से इस दिशा में जारी प्रयासों को बल मिलेगा। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि हमें ज्ञात होना चाहिए कि हमारी क्षमताएं क्या हैं और इनके माध्यम से किस तरह से हम समाज व विश्व के विकास में योगदान दे सकते हैं।

उन्होंने कहा कि दिव्यांगता के अनेक प्रकार हैं और इस श्रेणी के अंतर्गत आने वाले लोगों के समक्ष अलग-अलग प्रकार की चुनौतियां रहती हैं, जिनका समाधान हम सभी को मिलकर करना होगा। विशेषज्ञ वक्ता दिनेश शास्त्री ने इस आयोजन को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि अधिकारों का ज्ञान और उनका क्रियान्वयन दिव्यांगजनों की बेहतरी के लिए आवश्यक है। उन्होंने दिव्यांगजनों का आह्वान करते हुए कहा कि वे अपने गुणों को पहचानें और अपनी क्षमताओं के आधार पर विकास के पथ पर अग्रसर हों। जीवन में निराशा का त्याग कर संघर्ष के लिए तत्पर रहें।

इसी क्रम में प्रो. विशाल सूद ने संस्थागत स्तर पर दिव्यांगजनों की बेहतरी हेतु आवश्यक सुधारों पर विस्तार से प्रकाश डाला और इस दिशा में जारी विभिन्न उल्लेखनीय कोशिशों से भी प्रतिभागियों को अवगत करवाया। कार्यक्रम के अंत में विश्वविद्यालय की शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। आयोजन में विभिन्न पीठों के अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, शिक्षक, अधिकारी व शिक्षणेत्तर कर्मचारी उपस्थित रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran **Date: 04-12-2021**

दिव्यांगजनों के प्रति संवेदनशीलता आवश्यक : टंकेश्वर

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में अंतरराष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस के अवसर पर दो दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया। इस वेबिनार के समापन सत्र को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने दिव्यांगजनों के प्रति संवेदनशीलता को आवश्यक बताया। उन्होंने कहा कि दिव्यांगजनों के उत्थान व उन्हें मुख्यधारा से जोड़ने के लिए जारी प्रयासों में सफलता तभी मिल सकती है जब सभी उन्हें स्वीकार करते हुए उनकी बेहतरी के लिए हरसंभव योगदान दें। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. अन्नपूर्णा नोटियाल, मुख्य वक्ता के रूप में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय के अरबिंद कुमार झा व विशेषज्ञ वक्ता के रूप में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की प्रो. सुनीता श्रीवास्तव व इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय के डा. प्रशांत श्रीवास्तव ने संबोधित किया।

प्रो. टंकेश्वर कुमार

प्रो. टंकेश्वर कुमार ने दिव्यांगजनों के प्रति संवेदनशीलता अपनाने और उनके लिए उपलब्ध संसाधनों के विकास व विस्तार के लिए व्यक्तिगत प्रयास करने पर जोर दिया। उन्होंने सरकारी प्रावधानों के सफलतम क्रियान्वयन के साथ-साथ आमजन की सोच में भी इस वर्ग के प्रति विशेष लगाव की जरूरत बताई। इसी क्रम में प्रो. अन्नपूर्णा नोटियाल ने कहा कि दिव्यांगजनों के प्रति सहानुभूति रखते हुए उन्हें डिफ्रेन्टली एबल मानकर उनके हित में प्रयास करना चाहिए। प्रो. नोटियाल ने अपने प्रयासों के अंतर्गत दिव्यांगजनों को सक्षम, शिक्षित बनाने और उनके आत्मविश्वास को मजबूत बनाने के लिए विशेष प्रयास करने पर जोर दिया। प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने कहा कि दिव्यांगजनों की बेहतरी के लिए सर्वप्रथम उन्हें मुख्यधारा से जोड़ना होगा।

डा. प्रशांत श्रीवास्तव ने अपने संबोधन में कहा कि यह हमारा कर्तव्य बनता है कि हमारे साथी दिव्यांगजन किसी भी तरह से पिछड़ने न पाए। उन्होंने कहा कि सरकार के साथ-साथ यह हमारा कर्तव्य बनता है कि हम उनके उत्थान के लिए जिम्मेदारी के साथ प्रयास करें। डा. प्रशांत ने बताया कि एक रिपोर्ट के अनुसार मौजूदा समय में विश्व का हर सातवां व्यक्ति किसी न किसी प्रकार की विकलांगता का शिकार है। ऐसे में जमीनी स्तर पर छोटे-छोटे प्रयास करने की आवश्यकता है। प्रो. अरबिंद कुमार झा ने दिवयांगजनों के प्रति योजनागत ढ़ंग से प्रयास करने की बात कही और कहा कि इन्हें मुख्यधारा में लाने के लिए सक्षम व शिक्षित बनाना होगा। कार्यक्रम में आरंभ में आजादी का अमृत महोत्सव की नोडल ऑफिसर प्रो. सारिका शर्मा ने सभी विशेषज्ञों का स्वागत किया और इस कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। प्रो. सारिका शर्मा ने बताया कि विश्वविद्यालय निरंतर दिव्यांगजनों की बेहतरी के लिए विभिन्न उपाय कर रहा है।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Haribhoomi **Date: 06-12-2021**

दिव्यांगजनों के प्रति संवेदनशीलता जरूरी

■ हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में दो दिवसीय वेबिनार का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस के अवसर पर दो दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया। इस वेबिनार के समापन सत्र को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने दिव्यांगजनों के प्रति संवेदनशीलता को आवश्यक बताया। उन्होंने कहा कि दिव्यांगजनों के उत्थान व उन्हें मुख्यधारा से जोड़ने के लिए जारी प्रयासों में सफलता तभी मिल सकती है जब सभी उन्हें स्वीकार करते हुए उनकी बेहतरी हेतु हरसंभव योगदान दें। मुख्य अतिथि हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. अन्नपूर्णा नोटियाल व मुख्य वक्ता

महेंद्रगढ़। वेबिनार के समापन सत्र को संबोधित करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व अन्य। फोटो: हरिभूमि

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय के अरबिंद कुमार झा, विशेषज्ञ वक्ता हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय के डॉक्टर प्रशांत श्रीवास्तव थे। प्रोफेसर अन्नपूर्णा नोटियाल ने कहा कि दिव्यांगजनों के प्रति सहानुभूति रखते हुए उन्हें डिफ्रेन्टली एबल मानकर उनके हित में प्रयास करना चाहिए। प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने कहा कि दिव्यांगजनों की बेहतरी के लिए सर्वप्रथम उन्हें मुख्यधारा से जोड़ना होगा।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Punjab Kesari **Date: 04-12-2021**

दिव्यांगजनों प्रति संवेदनशीलता आवश्यक: प्रो. टंकेश्वर कुमार

हकेंवि में आयोजित 2 दिवसीय राष्ट्रीय वैबिनार सम्पन्न

महेंद्रगढ़, 3 दिसम्बर (परमजीत, स.ह.): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस के अवसर पर 2 दिवसीय राष्ट्रीय वैबिनार का आयोजन किया गया। इस वैबिनार के समापन सत्र को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने दिव्यांगजनों के प्रति संवेदनशीलता को आवश्यक बताया। उन्होंने कहा कि दिव्यांगजनों के उत्थान व उन्हें मुख्यधारा से जोड़ने के लिए जारी प्रयासों में सफलता तभी मिल सकती है जब सभी उन्हें स्वीकार करते हुए उनकी बेहतरी हेतु हरसंभव योगदान दें।

इस अवसर पर मुख्यातिथि के रूप में हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. अन्नपूर्णा नोटियाल, मुख्य वक्ता के रूप में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय के अरबिंद कुमार झा व विशेषज्ञ वक्ता के रूप में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की प्रो. सुनीता श्रीवास्तव व इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय के डा. प्रशांत श्रीवास्तव ने संबोधित किया।

वैबिनार के समापन सत्र को संबोधित करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

आजादी का अमृत महोत्सव अभियान व दिव्यांगजन प्रकोष्ठ के प्रयासों से आयोजित इस 2 दिवसीय वैबिनार को संबोधित करते हुए प्रो. टंकेश्वर कुमार ने दिव्यांगजनों के प्रति संवेदनशीलता अपनाने और उनके लिए उपलब्ध संसाधनों के विकास व विस्तार हेतु व्यक्तिगत प्रयास करने पर जोर दिया। उन्होंने सरकारी प्रावधानों के सफलतम क्रियान्वयन के साथ-साथ आमजन की सोच में भी इस वर्ग के प्रति विशेष लगाव की जरूरत बताई। इसी क्रम में प्रो. अन्नपूर्णा नोटियाल ने कहा कि दिव्यांगजनों के प्रति सहानुभूति रखते हुए उन्हें डिफ्रैन्टली एबल मानकर उनके हित में प्रयास करना चाहिए। प्रो. नोटियाल ने अपने प्रयासों के अंतर्गत दिव्यांगजनों को सक्षम, शिक्षित बनाने और उनके आत्मविश्वास को मजबूत बनाने के लिए विशेष प्रयास करने पर जोर दिया। प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने कहा कि दिव्यांगजनों की बेहतरी के लिए सर्वप्रथम उन्हें मुख्यधारा से जोड़ना होगा। इसके लिए उनके बेहतर स्वास्थ्य, शिक्षा व रोजगार के अवसरों के स्तर पर विशेष प्रयास करने होंगे।

दिव्यांगजनों को मुख्य धारा में लाने के लिए सक्षम व शिक्षित बनाना होगा

डा. प्रशांत श्रीवास्तव ने अपने संबोधन में कहा कि यह हमारा कर्त्तव्य बनता है कि हमारे साथी दिव्यांगजन किसी भी तरह से पिछड़ने न पाएं। सरकार के साथ-साथ यह हमारा कर्त्तव्य बनता है कि हम उनके उत्थान के लिए जिम्मेदारी के साथ प्रयास करें। डॉ. प्रशांत ने बताया कि एक रिपोर्ट के अनुसार मौजूदा समय में विश्व का हर 7वां व्यक्ति किसी न किसी प्रकार की विकलांगता का शिकार है। ऐसे में जमीनी स्तर पर छोटे-छोटे प्रयास करने की आवश्यकता है। प्रो. अरबिंद कुमार झा ने दिवयांगजनों के प्रति योजनागत ढंग से प्रयास करने की बात कही और कहा कि इन्हें मुख्य धारा में लाने के लिए सक्षम व शिक्षित बनाना होगा।

कार्यक्रम के आरंभ में आजादी का अमृत महोत्सव की नोडल ऑफिसर प्रो. सारिका शर्मा ने सभी विशेषज्ञों का स्वागत किया और इस कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। प्रो. सारिका शर्मा ने बताया कि विश्वविद्यालय निरंतर दिव्यांगजनों की बेहतरी हेतु विभिन्न उपाय कर रहा है। कार्यक्रम के अंत में शिक्षा पीठ के सहायक आचार्य डा. रूबल कलिता ने विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए सभी विशेषज्ञों व प्रतिभागियों का धन्यवाद प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की विभिन्न पीठों के अधिष्ठाता, अधिकारी, शिक्षक, शिक्षणेत्तर कर्मचारी व प्रतिभागी ऑनलाइन उपस्थित रहे।